अक्टूबर 2020

₹ 20

समाजवादी बुलेटिन

लक्ष्य 2022 18

समाजवादी पुरोधाओं को नमन 24

सपा का बढ़ता कारवां

6

R.N.I. No. 68832/97

समता और संपन्नता ही समाजवाद का मूल मंत्र है। समाज के सब लोगों को विकास के अवसर मिलें इसके लिए समाजवादियों को बढ़-चढ़कर काम करना होगा। सिर्फ नारे लगाने से समाजवाद नहीं आएगा, बल्कि समाजवादी सिद्धांतों को समझना और अपनाना होगा। समाजवादी विचारधारा को फैलाने की सबसे ज्यादा जिम्मेदारी युवा पीढ़ी पर है।

मुलायम सिंह यादव
संस्थापक-संरक्षक, समाजवादी पार्टी

समाजवादी बुलेटिन
अक्टूबर 2020
वर्ष 21 | संख्या 12

प्रिय पाठकों,

समाजवादी बुलेटिन का यह नया अंक बदले हुए रंग-रूप और कलेवर में आपके हाथों में है। इसमें समाचार के साथ विचार का संतुलन बनाये रखते हुए आपके लिए पठनीय सामग्री को हर पन्ने पर समेटा गया है। हम निरंतर ऐसी ही सामग्री लेकर आयेंगे। आशा है आपको बुलेटिन का यह नया रूप पसंद आयेगा। आपकी प्रतिक्रिया की हमें प्रतीक्षा रहेगी।

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक
प्रोफेसर रामगोपाल यादव
☎ 0522 - 2235454
samajwadibulletin19@gmail.com
bulletinsamajwadi@gmail.com
Mob:- 9598909095
/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए
19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित
आस्था प्रिंटर्स, गोमती नगर, लखनऊ से मुद्रित
R.N.I. No. 68832/97

अंदर

साइकिल यात्रियों को सपा पसंद है! 38

06 कवर स्टोरी

सपा का बढ़ता कारवां

लक्ष्य 2022 18

समाजवादी पुरोधाओं को नमन 24

प्रोफेसर साहब
राज्यसभा के लिए फिर निर्वाचित

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रोफेसर रामगोपाल यादव पुन: एक बार राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। वे वर्ष 1992 से लगातार सांसद हैं और सदन के वरिष्ठ नेताओं में उनका नाम शामिल है। करीब तीन दशक के अपने संसदीय जीवन में प्रोफेसर साहब ने जनहित से जुड़े दर्जनों मामले सदन में उठाए हैं। उत्तर प्रदेश से राज्यसभा की दस सीटों के लिए हुए चुनाव में समाजवादी पार्टी ने प्रोफेसर

रामगोपाल यादव को प्रत्याशी बनाया। प्रोफेसर साहब समेत अन्य सभी दलों के प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हुए।

इससे पहले समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव की उपस्थिति में प्रोफेसर रामगोपाल यादव जी ने अपना नामांकन पत्र विधान भवन के सेंट्रल हाल में दाखिल किया। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष विधानसभा श्री राम गोविन्द चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेश उत्तम पटेल तथा दर्जनों विधायकगण भी मौजूद रहे।

राज्यसभा का प्रत्याशी घोषित किए जाने पर प्रोफेसर साहब ने ट्वीट कर कहा, "पार्टी के संरक्षक श्री मुलायम सिंह यादव, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी का कोटिशः आभार।" साथ ही उन्होंने सदन में अपनी पार्टी के कुछ सहयोगियों का कार्यकाल खत्म होने का उल्लेख करते हुए ट्वीट में लिखा- "यद्यपि जया बच्चन जी, कुंवर साहब रेवती रमण सिंह ,विशंभर निषाद और चौधरी सुखराम सिंह साथ में होंगे लेकिन रवि प्रकाश वर्मा,जावेद अली खान और चंद्रपाल सिंह यादव जी की कमी बहुत खलेगी।

निर्वाचन की घोषणा होने के बाद ट्वीट कर प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने लिखा, "राज्य सभा के लिए निर्वाचन के परिणाम की आज औपचारिक रूप से घोषणा कर दी गयी है। मैं पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी के सभी नेताओं, कार्यकर्ताओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं और नेता जी को प्रणाम जिनकी वजह से 1992 से अब तक एमपी हूं।"

करीब तीन दशक के अपने संसदीय जीवन में प्रोफेसर साहब ने जनहित से जुड़े दर्जनों मामले सदन में उठाए हैं।

उत्तर प्रदेश से राज्यसभा की दस सीटों के लिए हुए चुनाव में समाजवादी पार्टी ने प्रोफेसर रामगोपाल यादव को प्रत्याशी बनाया।

सपा का बढ़ता कारवां

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव 2022 करीब आ रहा है, वैसे-वैसे प्रदेश की जनता और कई दलों के राजनेताओं में भाजपा सरकार को हटाने की ललक भी तेज होती जा रही है। हर मोर्चे पर विफल भाजपा सरकार से प्रदेश को मुक्ति दिलाने के लिए इस राजनीतिक तबके को समाजवादी पार्टी पर भरोसा है। यही कारण है कि विभिन्न दलों से कद्दावर नेताओं के समाजवादी पार्टी में शामिल होने का सिलसिला लगातार तेज होता जा रहा है। जाहिरा तौर पर चुनाव और करीब आने के साथ ही यह रफ्तार भी और तेज होगी।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव को 2022 में प्रदेश का अगला मुख्यमंत्री बनाने के संकल्प के साथ विभिन्न राजनीतिक दलों के कई नेता निरंतर समाजवादी पार्टी में शामिल हो रहे हैं। इनमें उत्तर प्रदेश के हर इलाके के प्रमुख नेता शामिल हैं। इससे साफ हो रहा है कि राजनीतिक तबके को इसका एहसास है कि प्रदेश की जनता फिर एक बार समाजवादी सरकार बनाना चाहती है।

आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा को सशक्त चुनौती देने की स्थिति में सिर्फ समाजवादी पार्टी है। इसलिए वे भी इस कारवां में शामिल हो रहे हैं जिससे कारवां लगातार बढ़ता जा रहा है।

जो प्रमुख नेता सपा में हाल के दिनों में शामिल हुए हैं उनमें कांग्रेस की पूर्व सांसद श्रीमती अन्नू टण्डन कांग्रेस छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल हो गई हैं। उनके साथ लगभग डेढ़ सौ अन्य प्रमुख नेता कार्यकर्ता भी कांग्रेस छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए।

श्री अखिलेश यादव ने अन्नू टण्डन के समाजवादी पार्टी में शामिल होने का स्वागत करते हुए कहा कि उन्होंने निष्ठा से उन्नाव जनपद में जनता की सेवा की है। गांव-गरीब लोग उनका नाम लेते है। वे जमीन से जुड़ी नेता है। उनके आने से समाजवादी पार्टी को और ज्यादा ताकत मिलेगी तथा इसके दूरगामी परिणाम होंगे।

आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा को सशक्त चुनौती देने की स्थिति में सिर्फ समाजवादी पार्टी है। इसलिए वे भी इस कारवां में शामिल हो रहे हैं जिससे कारवां लगातार बढ़ता जा रहा है।

श्रीमती अन्नू टण्डन के साथ समाजवादी पार्टी में शामिल होने वालों में प्रमुख हैं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव श्री अंकित परिहार, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के संयुक्त सचिव श्री शशांक शेखर शुक्ल, जिला कमेटी के पूर्व अध्यक्ष डॉ सूर्य नारायण यादव, सदस्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी श्री राज कुमार लोधी, महिला कांग्रेस उन्नाव की जिलाध्यक्ष डॉ नेहा पाण्डेय।

सपा की सदस्यता लेने के बाद श्रीमती अन्नू टण्डन ने कहा कि श्री अखिलेश यादव ने अपने पांच वर्ष के कार्यकाल में जो काम किए हैं उससे ज्यादा करना असम्भव था। श्री यादव विजनरी, शिक्षित तथा युवा नेता हैं। उनमें प्रदेश को नेतृत्व देने वाले सभी गुण हैं। देश में साम्प्रदायिक

ताकतों से निपटने में अखिलेश जी ही सक्षम है। अब लोकतंत्र बचाना और 2022 में अखिलेश जी को मुख्यमंत्री बनाना ही उनका लक्ष्य है।

श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व के प्रति आस्था जताते हुए कांग्रेस, बसपा और भाजपा के कई अन्य प्रमुख नेता भी अपने सैकड़ो समर्थकों के साथ समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए हैं। इनमें बदायूं से कांग्रेस के पांच बार सांसद रहे पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री सलीम शेरवानी, अम्बेडकरनगर से बसपा के पूर्व सांसद श्री त्रिभुवन दत्त, जिला पंचायत अध्यक्ष महाराजगंज श्री प्रभु दयाल चौहान, हरदोई के शाहाबाद से बसपा विधायक रहे श्री आसिफ उर्फ बब्बू खां, हापुड़ की धौलाना सीट से बसपा विधायक श्री असलम चौधरी की पत्नी नसीम बेगम तथा भाजपा छोड़कर कैप्टन इंदर सिंह पाल, पुत्र स्वर्गीय मथुरा पाल ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

इनके अतिरिक्त विधानसभा सिकन्दराबाद के बसपा प्रत्याशी श्री सलीम अख्तर बुलन्दशहर, हरदोई की नसरीन बानो अध्यक्ष नगर पालिका परिषद (बसपा) शाहाबाद, पूर्व ब्लाक प्रमुख हरपालपुर (बसपा) हरदोई श्री कमलेश पाठक, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष लोधी समाज महासभा श्री लोधी राकेश राजपूत, मुरादाबाद के पीसीएस अधिकारी (सेवानिवृत्त) श्री बी के सैनी, जिला संयोजक बसपा श्री वेद प्रकाश सैनी, सैनी महासभा अध्यक्ष श्री अशोक सैनी तथा ठाकुरद्वारा तहसील अध्यक्ष श्री शिवराम सैनी, करन सिंह सैनी तहसील अध्यक्ष सैनी महासभा श्री शिवराम सिंह सैनी तथा ब्लाक प्रमुख रामपुर कारखाना, देवरिया श्री राजाराम चौहान भी समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए हैं।

श्री अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी में शामिल कांग्रेस, बसपा और भाजपा नेताओं का

स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि उनके आने से समाजवादी पार्टी को मजबूती मिलेगी और सन् 2022 में समाजवादी सरकार बनने का सपना भी साकार होगा।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री सलीम शेरवानी ने इस अवसर पर कहा कि मौजूदा हालात में नफरत, शक और झूठ की राजनीति चल रही है। उम्र के इस पड़ाव पर राजनीति से अलग भी हो सकता था मगर फिर यह फर्ज याद आया कि देश में मोहब्बत, भाईचारा और देश बनाने में जिनका यकीन हैं, बुजुर्ग की इज्जत करते हैं और सबको साथ लेकर चलते हैं ऐसे युवा नेता श्री अखिलेश

श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व के प्रति आस्था जताते हुए कांग्रेस, बसपा और भाजपा के कई अन्य प्रमुख नेता भी अपने सैकड़ो समर्थकों के साथ समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए हैं।

यादव हैं। उनके हाथों को मजबूत करने की जरूरत है इसलिए मैंने उनके साथ चलने का निश्चय किया है।

बसपा के श्री त्रिभुवन दत्त ने तन-मन-धन से समाजवादी पार्टी को आगे बढ़ाने का निश्चय दुहराया। उन्होंने 40 वर्ष बसपा में सेवाएं दी थी। कैप्टन इंदर सिंह पाल ने भी कहा कि अगली सरकार उत्तर प्रदेश में अखिलेश जी के नेतृत्व में ही बनेगी। पाल समाज उनके साथ रहेगा।

इसी तरह श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व एवं समाजवादी पार्टी की नीतियों पर आस्था जताते हुए बसपा, कांग्रेस और जनता दल (यू) के कई बड़े नेताओं ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। बसपा और कांग्रेस छोड़कर चंदौली के पूर्व सांसद श्री कैलाश नाथ सिंह यादव कांग्रेस के पूर्व सांसद मिर्जापुर श्री बालकुमार पटेल, पूर्व सांसद सीतापुर श्रीमती कैसरजहां, पूर्व विधायक सर्वश्री

बसपा के श्री त्रिभुवन दत्त ने तन-मन-धन से समाजवादी पार्टी को आगे बढ़ाने का निश्चय दुहराया। उन्होंने 40 वर्ष बसपा में सेवाएं दी थी। कैप्टन इंदर सिंह पाल ने भी कहा कि अगली सरकार उत्तर प्रदेश में अखिलेश जी के नेतृत्व में ही बनेगी। पाल समाज उनके साथ रहेगा।

राम सिंह पटेल पट्टी प्रतापगढ़, सुनील यादव ओबरा सोनभद्र, रमेश राही हरगांव सीतापुर, जासमीन अंसारी पुवायां शाहजहांपुर तथा बलरामपुर के मुख्य जोनल कोआर्डिनेटर श्री शत्रोहन प्रसाद वर्मा एवं मोहम्मद अशफाक खां के अतिरिक्त जनता दल (यू) के युवा मोर्चा अध्यक्ष श्री अरविन्द पटेल भी समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए हैं। श्री मोहम्मद अहमद पूर्व चेयरमैन नगरपालिका महमूदाबाद तथा श्री आशीष मिश्र पूर्व चेयरमैन नगरपालिका सीतापुर भी समाजवादी पार्टी के सदस्य बन गए हैं। सर्वश्रेष्ठ दल के प्रदेश अध्यक्ष श्री राजेश प्रजापति ने अपने दल का समाजवादी पार्टी में विलय कर दिया है। श्री अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी में शामिल बसपा और कांग्रेस के नेताओं का स्वागत करते हुए कहा कि इससे जनता के बीच नए संकेत जाएंगे। समाजवादी पार्टी को इससे मजबूती मिलेगी।

बसपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महासचिव एवं विभिन्न प्रांतों में चुनाव प्रभारी, 2017 में तुलसीपुर विधानसभा क्षेत्र जनपद बलरामपुर से बसपा प्रत्याशी रहे डाॅ के.के. सचान, और कानपुर देहात के राजपुर (सिकन्दरा) क्षेत्र की पूर्व विधायक श्रीमती मिथलेश कटियार ने बहुजन समाज पार्टी छोड़कर समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली है। इनके अतिरिक्त श्री राजेश सोनकर पूर्व अध्यक्ष जिला पंचायत भदोही तथा श्रीमती रीना सोनकर भी सपरिवार समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए हैं। डाॅ के.के. सचान, श्रीमती कटियार तथा श्रीमती राजेश सोनकर ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से मिलकर भरोसा दिलाया कि वे सन् 2022 में समाजवादी सरकार बनाने के लिए अपने सभी समर्थकों के साथ पूरी निष्ठा से काम करेंगे।

इसी तरह श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व एवं समाजवादी पार्टी की नीतियों के प्रति आस्था जताते हुए मिर्जापुर मां विंध्यवासिनी के पुरोहित परिवार के सदस्य श्री राज मिश्र ने भी अपने सैकड़ों अनुयायियों के साथ समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है।

श्री मिश्र ने श्री अखिलेश यादव को उदीयमान नेता बताते हुए कहा कि उन्होंने अपने मुख्यमंत्रित्काल में जो शानदार काम किए है, उनकी आज भी चर्चा होती है। सन् 2022 में होने वाले विधानसभा चुनावों में पूर्ण बहुमत के साथ समाजवादी सरकार बनेगी और श्री अखिलेश यादव मुख्यमंत्री होंगे। श्री मिश्र ने समाजवादी पार्टी को मजबूती देने का संकल्प लिया।

श्री अखिलेश यादव ने श्री राज मिश्र के समाजवादी पार्टी में शामिल होने का स्वागत करते हुए कहा कि वे आश्वस्त हैं कि मां विंध्यवासिनी का आशीर्वाद उन्हें मिलता रहेगा। उन्होंने कहा कि इसका संदेश दूर तक जाएगा। भाजपा नफरत और समाज को बांटने की राजनीति करती है। समाजवादी हमेशा सद्भाव, सबका सम्मान तथा सबके हित में काम करने में विश्वास करते हैं।

घाटमपुर, कानपुर के ब्राह्मण समाज के कई लोग भी समाजवादी पार्टी में शामिल हुए हैं। इनमें सर्वश्री पवन कुमार पाण्डेय, दिवाकर पाण्डेय, ऋषभ तिवारी, रीतेश द्विवेदी, बलवंत, धीरेन्द्र पाण्डेय, अजय मिश्रा, सुबोध दुबे, बद्री शुक्ला, अवधेश शुक्ला तथा रविशंकर मिश्रा प्रमुख हैं। इनके अलावा महाराजपुर विधानसभा, कानपुर के गांधीग्राम की पार्षद श्रीमती विजयलक्ष्मी यादव, पूर्व पार्षद श्री मनोज यादव, युवा व्यापार मण्डल के अध्यक्ष श्री विजय कुमार जैन, व्यापार मण्डल कानपुर के एक्सप्रेस-वे रोड व्यापार मण्डल के अध्यक्ष श्री रोशन गुप्ता, अनुराग साहू, कंफेक्शनरी एसोसिएशन के श्री निखिल गुप्ता, नितिन साहू तथा आयुष्मान गुप्ता भ समाजवादी पार्टी में शामिल हुए हैं। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाज के विभिन्न तबकों के सपा से जुड़ने से पार्टी को और ज्यादा ताकत, समर्थन तथा सहयोग मिलेगा। उन्होंने इसके लिए आभार जताया।

22 में बाइसिकल

समाजवादी पार्टी

सपा का लक्ष्य 2022

प्रत्याशी चयन का काम शुरू

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश की जनता को भाजपा सरकार के कुशासन से मुक्ति दिलाने के लिए श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के संकल्प के साथ समाजवादी पार्टी ने 2022 के विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज कर दी हैं।

इस सिलसिले में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव के

निर्देश पर 2022 के आम चुनाव के लिए संभावित प्रत्याशियों से आवेदन पत्र आमंत्रित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आवेदन 19 अक्टूबर 2020 से लिए जाने शुरू हो चुके हैं एवं आवेदन की अंतिम तिथि 26 जनवरी 2021 रखी गई है। आवेदन राज्य मुख्यालय, 19 विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ में जमा हो रहे हैं।

हाल में जिन सात सीटों पर विधानसभा उपचुनाव हुए हैं उन क्षेत्रों से तथा वर्तमान विधायकों के निर्वाचन क्षेत्रों से प्रत्याशियों के आवेदन नहीं लिए जा रहे हैं। प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया शुरू हो जाने से पूरी पार्टी में जबरदस्त उत्साह है और बूथ स्तर तक कार्यकर्ता सक्रिय हो गए हैं।

उल्लेखनीय है कि बीते कुछ महीनें से समाजवादी पार्टी का जोर ब्लाक और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूती देने पर रहा है। पार्टी के राष्ट्रीय

चुनाव से काफी पहले से प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया शुरू कर श्री अखिलेश यादव ने यह स्पष्ट संकेत दे दिया है कि समाजवादी पार्टी को दोबारा सत्ता में लाकर यूपी को वापस पटरी पर लाने की अपनी मंशा के प्रति वे कितने गंभीर हैं।

अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं और नेताओं को अभी से सघन जनसम्पर्क करने के निर्देश दिए हैं। जिस पर पार्टी के नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता पूरी मुस्तैदी से अमल कर रहे हैं।

चुनाव से काफी पहले से प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया शुरू कर श्री अखिलेश यादव ने यह स्पष्ट संकेत दे दिया है कि समाजवादी पार्टी को दोबारा सत्ता में लाकर यूपी को वापस पटरी पर लाने की अपनी मंशा के प्रति वे कितने गंभीर हैं। वे सुनिश्चित करना चाहते हैं कि सीटवार सभी समीकरणों का पहले से ही आकलन कर सबसे काबिल दावेदार को प्रत्याशी बनाया जाए।

समाजवादी पार्टी के चुनाव की तैयारियों का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जनहित से जुड़े तमाम मुद्दों को लेकर सपा

Nikon

कार्यकर्ता लगातार सड़कों पर संघर्ष कर रहे हैं। कानून-व्यवस्था और महिलाओं के खिलाफ अपराध का मुद्दा हो या फिर किसानों की दिक्कतों का मामला, समाजवादी पार्टी लखनऊ से लेकर हर जिले में जनता की आवाज बन कर सड़कों पर उतर रही है।

आगामी विधानसभा चुनाव वर्ष 2022 में होने हैं। अगले साल से प्रदेश में चुनावी गतिविधियां शुरू हो जाएंगी। ऐसे में श्री अखिलेश यादव की रणनीति है कि प्रत्याशी पहले तय हो जाएं तो उन्हें अपने क्षेत्र में काम करने के लिए पर्याप्त मौका मिल जाए। इसलिए सपा पहली पार्टी है जिसने प्रत्याशी चयन का काम शुरू कर दिया है।

अगले साल से प्रदेश में चुनावी गतिविधियां शुरू हो जाएंगी। ऐसे में श्री अखिलेश यादव की रणनीति है कि प्रत्याशी पहले तय हो जाएं तो उन्हें अपने क्षेत्र में काम करने के लिए पर्याप्त मौका मिल जाए। इसलिए सपा पहली पार्टी है जिसने प्रत्याशी चयन का काम शुरू कर दिया है।

उल्लेखनीय है कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव लगातार यह कहते रहे हैं कि वे आगामी विधानसभा चुनाव में सपा अकेले मैदान में जाएगी। तालमेल हुआ भी तो कुछ छोटे दलों के साथ किया जाएगा। श्री अखिलेश यादव ने कहा

उत्तर प्रदेश की जनता भी लक्ष्य 2022 पर अमल करने का बेसब्री से इंतजार कर रही है।

साढ़े तीन साल में भी भाजपा सरकार पूरा नहीं कर पाई है।

समाजवादी सरकार में विकास कार्यों की लंबी फेहरिस्त एवं अखिलेश जी की दूरदर्शी नीतियों को देख चुकी उत्तर प्रदेश की जनता भी लक्ष्य 2022 पर अमल करने का बेसब्री से इंतजार कर रही है। अखिलेश जी भी कई बार विनम्रता पूर्वक कह चुके हैं कि उन्हें जनता की अपेक्षाओं का एहसास है इसलिए 2022 में जनता का आशीर्वाद मिलते ही समाजवादी पार्टी प्रदेश के विकास के अपने एजेंडे को लागू करने में जुट जाएगी।

है कि समाजवादी पार्टी का लक्ष्य विधानसभा चुनाव में 351 सीटों पर जीत हासिल करने का है।

गौरतलब है कि प्रदेश की वर्तमान भाजपा सरकार से लस्त जनता मानकर चल रही है कि समाजवादी पार्टी ही भाजपा को चुनौती देने में सक्षम है। बतौर मुख्यमंत्री अखिलेश जी का कार्यकाल जनता देख चुकी है। कई फोरमों से यह आवाजें लगातार तेज हो रही हैं कि उत्तर प्रदेश को निरंकुश, दिशाहीन एवं विकास से कोसों दूर वर्तमान सरकार से मुक्ति दिलाने के लिए अखिलेश जी को फिर मुख्यमंत्री बनाना होगा।

उनके कार्यकाल में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे, लखनऊ मेट्रो, कैंसर अस्पताल, महिला सुरक्षा के लिए 1090 व कानून-व्यवस्था के लिए डॉयल 100, जनेश्वर मिश्र पार्क, गोमती रिवर फ्रंट व अंतरराष्ट्रीय स्तर का इकाना स्टेडियम जैसी तमाम परियोजनाओं को लोगों ने बनते हुए देखा। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की शुरुआत भी अखिलेश जी की सरकार में ही हो गई थी जिसे

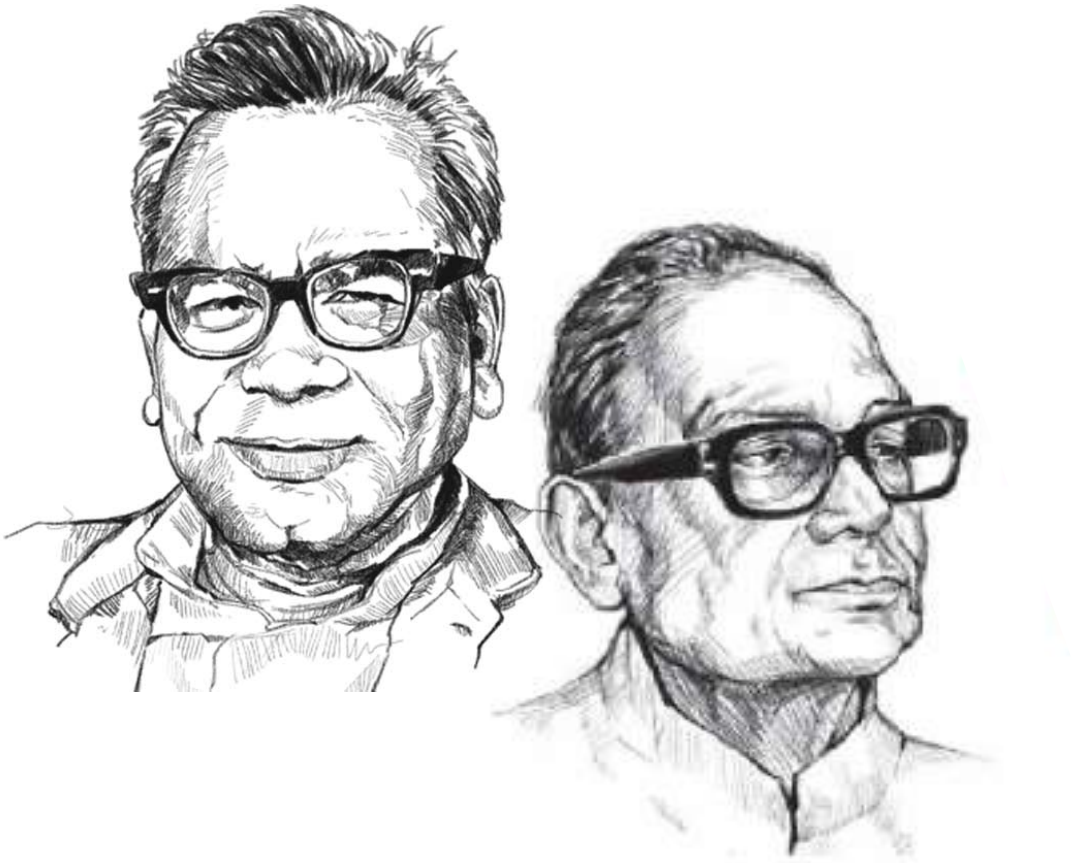

समाजवादी पुरोधाओं को

नमन

डॉ लोहिया

निर्भीकता की प्रतिमूर्ति

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी ने प्रखर चिंतक, स्वतंत्रता सेनानी एवं समाजवादी विचारधारा के पुरोधा डॉ राममनोहर लोहिया की 5 3 वीं पुण्यतिथि पर 12 अक्टूबर 2020 को उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा कि लोहिया जी की विचारधारा हमेशा प्रासंगिक रहेगी। सामाजिक अन्याय और विषमता के विरुद्ध उनकी 'सप्तक्रांति' की अवधारणा को अपनाते हुए समाजवादी पार्टी उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए संकल्पित है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि डाॅ लोहिया ने भारतीय राजनीति, समाज और संस्कृति के विभिन्न पहलुओं पर उसकी अच्छाइयों और बुराइयों पर उन्होंने हमेशा खुलकर बहस की और निर्भीकता से अपने विचार रखे। भारत की नई पीढ़ी को उनसे दिशा और प्रेरणा प्राप्त होगी। उन्होंने कहा डाॅ लोहिया की चिंतनधारा देश काल की सीमा में बंधी नहीं थी वे विश्व नागरिकता का सपना देखते थे।

श्री यादव ने कहा कि डाॅ लोहिया ने सर्वप्रथम पिछड़ों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों को समाज में सम्मान और पद दिए जाने पर बल दिया था और 'सोशलिस्टों ने बांधी गांठ, सौ में पाएं पिछड़े साठ' का नारा दिया था। समाज के कमजोर वर्गो के लिए विशेष अवसर के सिद्धांत का उन्होंने निरूपण किया था। समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय की लड़ाई हमेशा से लड़ती चली आ रही है और समाजवादी सरकार में दलितों, वंचितो, पिछड़ों, महिलाओं तथा अन्य कमजोर

फाइल फोटो

डॉ लोहिया ने सर्वप्रथम पिछड़ों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों को समाज में सम्मान और पद दिए जाने पर बल दिया था और 'सोशलिस्टों ने बांधी गांठ, सौ में पाएं पिछड़े साठ' का नारा दिया था। समाज के कमजोर वर्गो के लिए विशेष अवसर के सिद्धांत का उन्होंने निरूपण किया था।

पाएं पिछड़े साठ' का नारा दिया था। समाज के कमजोर वर्गो के लिए विशेष अवसर के सिद्धांत का उन्होंने निरूपण किया था। समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय की लड़ाई हमेशा से लड़ती चली आ रही है और समाजवादी सरकार में दलितों, वंचितो, पिछड़ों, महिलाओं तथा अन्य कमजोर वर्गो के हितों का पूरा ध्यान रखा गया था।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की साढ़े तीन वर्षों की उपलब्धि मंहगाई, भुखमरी, बेरोजगारी, अन्याय, अत्याचार है। वह महिलाओं तथा बच्चियों की इज्जत से खिलवाड़ कर रही है। प्रदेश में कानून व्यवस्था का संकट है। लोगों का जानमाल असुरक्षित है। अपराधी बेखौफ है। कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। स्वास्थ्य-शिक्षा के क्षेत्र में अव्यवस्था है। सत्ता का बुरी तरह दुरूपयोग हो रहा है। लोहिया जी ने इन्हीं हालात में जिंदा कौमों को पांच साल इंतजार न करने की सीख दी थी।

डा0 राममनोहर लोहिया जी की पुण्यतिथि पर राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जनपदों में समाजवादी पार्टी की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। मुख्य कार्यक्रम डा0 राममनोहर लोहिया पार्क, गोमतीनगर लखनऊ में सम्पन्न हुआ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की ओर से राष्ट्रीय सचिव श्री राजेन्द्र चौधरी तथा प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेश उत्तम पटेल ने पार्क स्थित लोहिया जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। डा0 राममनोहर अस्पताल एवं आयुर्विज्ञान संस्थान परिसर, गोमतीनगर और पुराने लखनऊ में चौक स्थित लोहिया पार्क में डा0 लोहिया की प्रतिमाओं पर भी माल्यार्पण किया गया।

समाजवादी पार्टी
#काम बोलता है

लोकनायक

जनतांत्रिक मान्यताओं को समर्पित

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी ने दिनांक 11 अक्टूबर 2020 को लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की 118वीं जयंती समाजवादी पार्टी मुख्यालय, लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जनपदों के पार्टी कार्यालयों में सादगी से मनाई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव के निर्देश पर पार्टी के जिला मुख्यालयों पर श्री जयप्रकाश जी के चित्र पर पुष्पांजलि के साथ राजनीति में उनके योगदान पर चर्चा की गई।

राजधानी लखनऊ में जेपी इंटरनेशनल सेंटर में स्थापित जयप्रकाश जी की प्रतिमा पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी की ओर से राष्ट्रीय सचिव श्री राजेन्द्र चौधरी तथा प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेश उत्तम पटेल ने माल्यार्पण किया। पार्टी के प्रदेश कार्यालय में भी श्री जयप्रकाश जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनको नमन किया गया।

श्री अखिलेश यादव ने अपने बयान में देश के नवनिर्माण के लिए सम्पूर्ण क्रांति की अलख जगाने वाले स्वतंत्रता सेनानी एवं भारतीय राजनीति के युगपुरुष लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की जयंती पर शत-शत नमन किया ।

श्री अखिलेश यादव ने इस मौके पर कहा कि प्रदेश में मजबूत नहीं मजबूर सरकार है। हर मोर्चे पर यह विफल है। समाजवादी सरकार के समय हुए विकासकार्यों से भाजपा चिढ़ी हुई है। अन्यथा लखनऊ स्थित लोकनायक जेपी अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र की उपेक्षा से क्या संकेत मिलता है? प्रदेश के भव्य स्थलों में से एक यह केन्द्र भाजपा सरकार की आंखो में खटक रहा है इसीलिए उसको बर्बाद किया जा रहा है।

रख रखाव के अभाव में परिसर में झाड़ झंखाड़ उग आया है। पत्थर टूटने लगे हैं। संग्रहालय बंद पड़ा है। समाजवादी सरकार के समय जो थोड़ा काम रह गया था उसके लिए भाजपा सरकार बजट नहीं दे रही है। इससे जाहिर है कि भाजपा सरकार और इसके नेतृत्व की मानसिकता कितनी निम्न स्तरीय हैं वह प्रदेश को विकास के

फाइल फोटो

फाइल फोटो

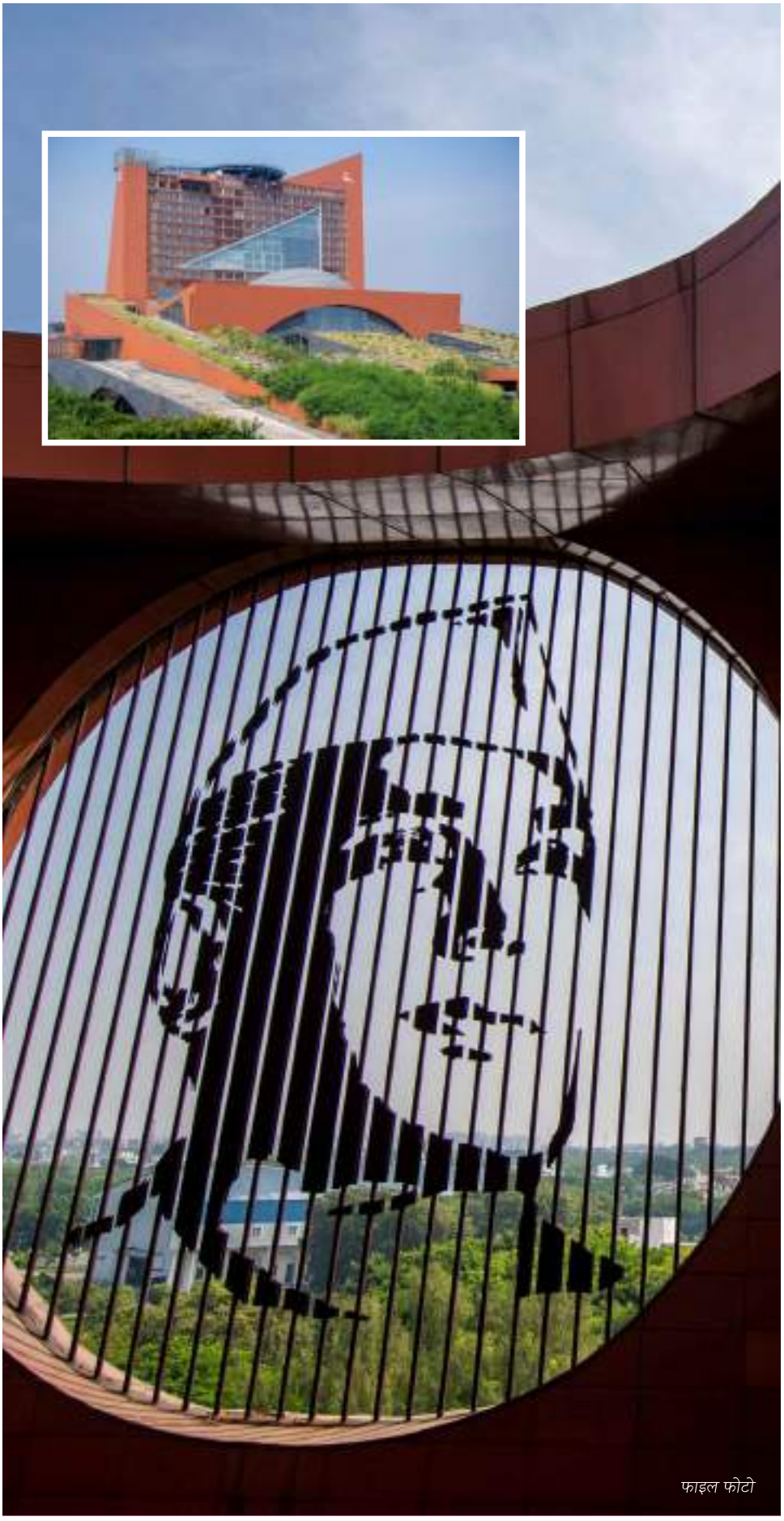

फाइल फोटो

नहीं, विनाश के रास्ते पर ले जाना चाहती है।

श्री यादव ने कहा कि चूंकि भाजपा नेतृत्व का स्वतंत्रता आंदोलन में कोई योगदान था। इसलिए उन्हें जेपी सेंटर की महत्त्व और आवश्यकता का क्या अंदाजा हो सकता है? यह सेंटर लोकतंत्र की प्राण प्रतिष्ठा का मंदिर होता जहां भारत के गौरवशाली अतीत के साथ समाजवादी विचारधारा का भी इतिहास अंकित किया गया है। उच्च स्तरीय विमर्श और शोध के लिए यह केन्द्र अत्यंत उपयोगी है। भाजपा ने अपनी कृतघ्नता में इसे खण्डहर बना दिया है और अब उसकी मंशा औने पौने दाम में इसे बेचकर लोकतंत्र रक्षक सेनानी की निशानी भी मिटा देने की है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सत्ता को संविधान की परिधि में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। संविधान किसी को भी मनमानी और स्वेच्छाचारी आचरण की अनुमति नहीं देता है। सत्ता द्वारा जनता का अपमान करने अथवा विपक्ष के प्रति राग द्वेष की भावना से लोकतंत्र आहत होता है। सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोग विपक्ष को अपमानित करेंगे तो लोकतंत्र का सम्मान कैसे बचेगा?

श्री यादव ने कहा सत्ता की मनमानी के विरूद्ध लोकनायक की यही लड़ाई थी। लोकतंत्र सत्ता के लिए नहीं जनता के भले के लिए होता है। लोकराज चलाने के लिए लोकलाज का आचरण करना सीखना चाहिए। लोकनायक में तनिक भी सत्ता लिप्सा नहीं थी। वे जनतांत्रिक मान्यताओं के लिए समर्पित थे। उनके जीवन से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए।

जयप्रकाश जी की जयंती के अवसर पर लखनऊ में सिविल अस्पताल में युवा नेता श्री दीपक रंजन के नेतृत्व में 60 युवाओं ने रक्तदान किया।

सिताबदियारा के संत 'लोकनायक'

फोटो आभार - गूगल

वृजनंदन चौबे

इतिहास के पन्नों को जब-जब खंगाला जाएगा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम लिया जाएगा। ठीक उसी तरह जब भी जम्हूरियत की बात होगी लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी का जिक्र होगा। दूसरी आजादी यानी देश में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की ओर से थोपे गए आपातकाल का खात्मा और लोकतंत्र की बहाली। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र को नया जीवन देने वाले जयप्रकाश नारायण जी का जन्म 11 अक्टूबर 1902 को हुआ था। कृतज्ञ राष्ट्र उन्हें नमन कर रहा है।

समाजवादी आंदोलन और जेपी

समाजवादी चिंतन के तीन प्रमुख विचारक अलग-अलग दृष्टियों से समाजवाद और राष्ट्रीय हितों के मुद्दों पर अपने-अपने विचार व्यक्त करते हुए एक दूसरे के पूरक बने रहे हैं। आचार्य नरेंद्र देव के विचारों से मार्क्सवादी आधार पर समाजवाद की व्याख्या की पुष्टि होती है। डाक्टर राममनोहर लोहिया के विचारों में गांधीवाद के सिद्धांतों के आधार पर मार्क्सवाद की प्रासंगिकता और अप्रासंगिकता दोनों ही उद्घाटित होती है। लोकनायक जयप्रकाश नारायण इन दोनों चिंतकों के बीच में मार्क्सवाद और गांधीवाद के समन्वित रूप को प्रतिष्ठित करते हुए लगते हैं।

जयप्रकाश जी की स्थिति दूसरे प्रकार की थी। प्रखर मार्क्सवादी के रूप में अमेरिका से लौटने के बाद वह कम्युनिस्ट विचारधारा से काफी प्रभावित थे। इसलिए अपने राजनैतिक जीवन के एक दौर में वह इसके लिए प्रयत्नशील थे कि समाजवादी पार्टी और कम्युनिस्ट पार्टी का विलय हो जाना चाहिए। वह आशा करते थे कि कम्युनिस्ट पार्टी अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता कुछ कम करे और समाजवादी पार्टी कुछ मार्क्स को ज्यादा महत्व दे तो यह संभावना विकसित हो सकती है। दोनों पार्टियां मिलकर बड़ी पार्टी बन जाएं और देश में समाजवादी कार्यक्रम आसानी के साथ चल सकें। इसके लिए उन्होंने कोशिश भी की किन्तु धीरे-धीरे उनका मोहभंग होने लगा।

फोटो आभार - गूगल

जयप्रकाश जी के समाजवादी आंदोलन को परोक्ष सहयोग तब मिला जब डॉ लोहिया और आचार्य नरेंद्र देव दोनों ही नहीं रहे। 1973 से ही धीरे-धीरे कांग्रेस और सर्वोदय से जयप्रकाश का मोहभंग हुआ। उन्हें लगा कि गांधी के बाद सर्वोदय की क्रांतिकारिता समाप्त हो गई है। उन्हें यह भी लगा कि कांग्रेस की नीतियां देश को कमजोर बना रही हैं। संवैधानिक अधिकारों का हनन हो रहा है। पूरा देश मुट्ठी भर लोगों के निहित स्वार्थों के कारण आर्थिक संकट में ग्रस्त है। इस अनुभूति ने जयप्रकाश जी को सम्पूर्ण क्रांति के आह्वान के लिए प्रेरित किया।

सम्पूर्ण क्रांति

सम्पूर्ण क्रान्ति का अर्थ था पूरे राष्ट्रीय ढांचे में परिवर्तन। आर्थिक ढांचे में पूंजी, लाभ और श्रम के बीच एक शोषण रहित व्यवस्था। उत्पादन, वितरण और उपभोक्ता के बीच एक सम्मानजनक स्थिति पैदा करना। शिक्षा के क्षेत्र में नए कानून लागू करके उसमें सम्पूर्ण परिवर्तन लाना। सामाजिक स्तर पर वर्गहीन और जातिहीन समाज की रचना। उदात्त नैतिक मूल्यों को फिर से प्रतिष्ठित करना।

सम्पूर्ण क्रान्ति का अर्थ था कि भारतीय गणतंत्र का ढांचा जिसमें अभी तक सम्पूर्ण तंत्र ऊपर से नीचे की ओर द्रवीभूत होता था वह नीचे की बुनियादी इकाई से प्रारम्भ होकर ऊर्ध्वमुखी रूप में विकसित हो। इसका मूल भाव था कि ग्रामोदय, अंत्योदय, ग्राम पंचायतों को सशक्त बना कर देश की अर्थ सत्ता, राजसत्ता और तंत्र का विकेंद्रीकरण ताकि राजनैतिक भ्रष्टाचार और शक्ति का दुरुपयोग आदि न पनपने पाएं।

संपूर्ण क्रांति के साथ साथ जयप्रकाश जी ने भारतीय समाजवादी आंदोलन को अंत्योदय की भी अवधारणा दी। अंत्योदय का अर्थ था देश के आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनैतिक विकास में उपेक्षित भारतीय नागरिक को राष्ट्रीय मुख्यधारा में शामिल करना।

सर्वोदय की नई व्याख्या

सर्वोदय की यह नई व्याख्या थी। जयप्रकाश जी ने गांधी जी के निर्गुण सर्वोदय दर्शन को सगुण और समग्र बनाने की कोशिश की। समाज के उपेक्षित और हाशिए पर पर पड़े लोगों को सम्मिलित करके सर्वोदय आंदोलन को और अधिक सजीव रूप प्रदान किया। अंत्योदय, सर्वोदय के सिद्धांतों का निचोड़ था। जेपी ने इस बात की चेष्टा की कि पूरा सर्वोदय आंदोलन समाज की अंतिम इकाई पर केंद्रित किया जाए जो हजारों वर्षों से उपेक्षित और शोषित चला आ रहा है। इसी मूल भावना को लेकर समाजवादी आंदोलन भी अग्रसर है। जब तक आखिरी पायदान पर खड़े व्यक्ति को न्याय नहीं मिल जाता है समाजवादी आंदोलन मुखरता से आगे बढ़ता रहेगा।

(यह लेखक के अपने विचार हैं)

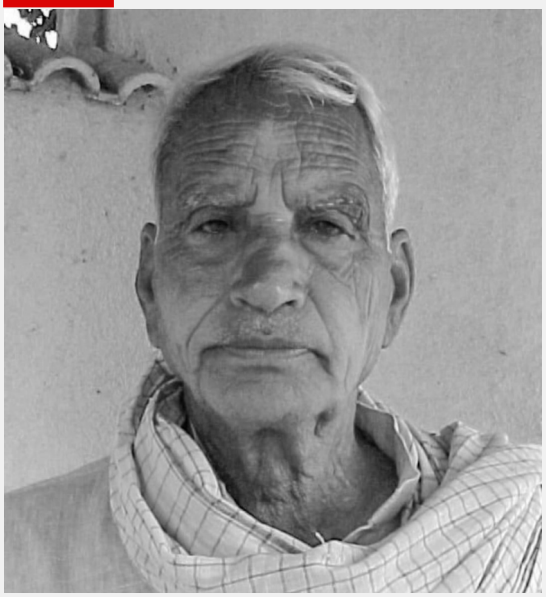

खांटी समाजवादी थे

दर्शन सिंह यादव

बुलेटिन ब्यूरो

सैफई के प्रधान श्री दर्शन सिंह यादव का 17 अक्टूबर 2020 को 90 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने उनके निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया और कहा कि प्रधान जी का आशीर्वाद उनके साथ हमेशा रहा। उनके निधन से जो जो क्षति हुई उसकी भरपाई होना मुश्किल है।

सैफई में जन्मे दर्शन सिंह जी पूर्व रक्षा मंत्री श्री मुलायम सिंह यादव के बचपन के साथी थे। वे 1972 से लगातार प्रधान चुने जा रहे थे। वह लम्बे समय से बीमार चल रहे थे और उनका इलाज कराया जा रहा था। वह लखनऊ के एक अस्पताल में भर्ती थे, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की सूचना सैफई पहुंची तो शोक की लहर दौड़ गई। बाकी जगहों पर भी समाजवादियों में शोक की लहर दौड़ गई। श्री अखिलेश यादव प्रधान जी के निधन की खबर मिलते ही सैफई पहुंच गए।

सैफई का लम्बे समय तक प्रधान रहने पर समाजवादी सरकार में श्री अखिलेश यादव ने अपने मुख्यमंत्रित्व काल में उन्हें यश भारती से सम्मानित किया था।

1972 से गांव के सरपंच रहे श्री दर्शन सिंह यादव जी, चूंकि पहले प्रधानी के चुनाव नियमित समय पर नहीं होते थे, इसलिए 1972 के बाद 1982, 1988 और 1995 में जब ग्राम प्रधानों के चुनाव कराए गए, तब भी प्रधान बने। 1995 से जब से पांच वर्ष के नियमित अंतराल पर चुनाव कराए जा रहे हैं तब से श्री दर्शन सिंह को ही ग्राम प्रधान चुना जा रहा है। श्री दर्शन सिंह यादव लम्बे समय से इस गांव के निर्विरोध प्रधान रहे।

श्री अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी जिला औरैया के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व एमएलसी श्री मुलायम सिंह यादव निवासी कढ़ोरे का पुरवा के निधन पर भी गहरा दुःख जताते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। श्री यादव ने कहा कि वे आजीवन किसान, गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों की आवाज उठाते रहे। उनका शहर में कोई अपना मकान नहीं है। वे पूरी जिंदगी गांव में ही सादगी का जीवन जिए। वे आजीवन समाजवादी विचाराधारा के प्रति समर्पित रहे।

नहीं रहे
गौरव दुबे

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने यूथ ब्रिगेड के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गौरव दुबे के निधन पर गहरा शोक जताते हुए दिवंगत आत्मा की शांति और संतप्त परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है।

श्री गौरव दुबे काफी समय से कैंसर की बीमारी का इलाज करा रहे थे। विदेश में उपचार के बावजूद उनको राहत नहीं मिली। 2 अक्टूबर 2020 को मेदांता अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली।

बैकुण्ठधाम में अंत्येष्टि के समय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की ओर से श्री गौरव दुबे के पार्थिव शरीर पर विधायक श्री संग्राम सिंह यादव तथा एमएलसी राजेश यादव, आनंद भदौरिया ने श्वेत पुष्प चक्र चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी

विभूतियों को श्रद्धांजलि

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी ने 31 अक्टूबर 2020 को समाजवादी आंदोलन के पुरोधा आचार्य नरेन्द्र देव जी, लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी और महर्षि वाल्मीकि जी को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। समाजवादी पार्टी कार्यालय, लखनऊ में उनके चित्रों पर माल्यार्पण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

गोमती नदी के तट पर मोती महल, लखनऊ

स्थित आचार्य नरेन्द्र देव जी की समाधि पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने पुष्पांजलि अर्पित की। यहां श्री यशोवर्धन, श्रीमती मीरा वर्धन तथा श्री सुरेन्द्र विक्रम सिंह भी उपस्थित थे। हजरतगंज परिवर्तन चौक स्थित महर्षि वाल्मीकि जी की प्रतिमा पर भी पुष्पांजलि अर्पित की। यहां सर्वश्री विजय वाल्मीकि, रामचन्द्र चौधरी, पुनीत चौधरी तथा शिव प्रताप चौधरी ने अपने तमाम साथियों के साथ श्री अखिलेश यादव का स्वागत किया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आचार्य नरेन्द्र देव जी, सरदार वल्लभ भाई पटेल जी और महर्षि वाल्मीकि जी हमारे लिए प्रातः स्मरणीय हैं। आचार्य जी ने समाजवादी आंदोलन को नई दिशा, नया चिंतन दिया। वे उच्च कोटि के विद्वान, विचारक, शिक्षाविद, स्वतंत्रता सेनानी और बौद्ध धर्म के महान व्याख्याता थे। उन्हें अजातशत्रु कहा जाता है।

श्री यादव ने कहा कि सरदार पटेल ने देशी रियासतों को मिलाकर स्वतंत्र भारत को एकता, दृढ़ता और विशालता दी। उनका यह कृत्य विश्व के इतिहास में अकेला उदाहरण है। वे स्वतंत्रता संग्राम के महान योद्धा थे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी महाकाव्य रामायण के रचनाकार तथा न्याय और नैतिकता का बोध कराने वाले महापुरुष थे। उनके जीवन के आदर्श हमारे लिए मार्गदर्शक हैं।

साइकिल यात्रियों को सपा पसंद है!

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में विधानसभा के अगले चुनावों से पहले 'बाईस में बाईसाइकिल' के लगातार तेज होते शोर के बीच विश्व तिरंगा यात्रा कर चुके अंतर्राष्ट्रीय साइकिल यात्री श्री अभिषेक कुमार शर्मा एवं साइकिल से पर्यावरण संदेश देते श्री देवेंद्र यादव ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव से दिनांक 28 अक्टूबर 2020 को पार्टी मुख्यालय में मुलाकात की। दोनों साइकिल यात्रियों को

शर्मा ने 10 नवम्बर 2014 को तिर्वा (कन्नौज) से अपनी तिरंगा यात्रा की शुरुआत की थी जिसका समापन जनवरी 2020 में नई दिल्ली में हुआ। श्री शर्मा ने पूरे भारत के भ्रमण के साथ 40 देशों में भी साइकिल से भ्रमण किया है। इन यात्राओं में वे देश-विदेश के 62 लाख लोगों के सम्पर्क में आए। इसके अलावा वहां की तमाम हस्तियों से भी मिले। मुंबई में श्री अमिताभ बच्चन से उनको विशेष स्नेह मिला।

श्री अभिषेक शर्मा का कहना है कि उत्तर प्रदेश में श्री अखिलेश यादव के मुख्यमंत्रित्वकाल में बनी आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे शानदार सड़क है। उनका कहना है कि यह अमेरिका के मुकाबले की सबसे अच्छी सड़क है। श्री अभिषेक शर्मा ने कहा कि विश्व में श्री अखिलेश जी की पहचान और सम्मान है। मेरे तो वे आदर्श हैं। मैने दुनिया के अनेक देशों में साइकिल से भ्रमण किया लेकिन आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे जैसी सर्वोत्तम क्वालिटी की सड़क कहीं नहीं है।

इसी तरह वे प्रदेश में साइकिल ट्रैक के निर्माण के लिए अखिलेश जी की प्रशंसा करते नहीं थकते। उनके अनुसार विदेशों में साइकिल का चलन तो बहुत है पर वहां समाजवादी सरकार द्वारा निर्मित साइकिल ट्रैक जैसे ट्रैक नहीं हैं। श्री शर्मा ने रिवर फ्रंट की खूबसूरती की सराहना की। उन्होंने कहा प्रदेश में माहौल बन रहा है। सन् 2022 में श्री अखिलेश यादव ही प्रदेश के मुख्यमंत्री बनेंगे।

श्री शर्मा का यह भी कहना है कि वे पर्यावरण के सम्बंध में अखिलेश जी के विचारों से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि गंदगी दिमाग में होती है। इसे खत्म करें तो पर्यावरण में स्वच्छता अपने आप दिखने लगेगी। हमें स्वच्छता के लिए लोगों को जागरूक बनाना चाहिए। श्री शर्मा अब तक 20 हजार किलोमीटर की यात्रा कर चुके है।

साइकिल यात्री श्री देवेन्द्र यादव राजस्थान के अलवर जिले के एक गांव फौलादपुर के निवासी हैं। उन्होंने पर्यावरण को बचाने के उद्देश्य से हरिद्वार से अपनी यात्रा शुरू की। योग गुरु बाबा रामदेव ने हरी झंडी दिखाकर उन्हें विदा किया था। हरिद्वार से चलकर वे हरियाणा, गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश की कुल 5100 किलोमीटर यात्रा साइकिल से करेंगे। प्रतिदिन वे 200 किलोमीटर साइकिल चलाते हैं।

#काम बोलता है

समाजवादी पार्टी

विश्वस्तरीय साइकिल ट्रैक का निर्माण

साफ़ और बेबाक

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Socialist Leader of India. Chief Minister of UP (2012 - 2017)

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

बिठूर स्थित रानी लक्ष्मीबाई घाट पर रानी लक्ष्मीबाई जी की प्रतिमा अनदेखी व दुर्दशावश गिरकर टूट गयी है या असामाजिक तत्वों द्वारा गिराई गयी है, इस प्रकरण की जाँच हो और यथोचित कार्रवाई कर मूर्ति की ससम्मान पुनर्स्थापना की जाए।

भाजपा स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान करना कब सीखेगी?

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

आशीर्वाद के कुछ असीम क्षण...

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

भाजपा के भ्रष्टाचारी राज में बैंकों का डूबना जारी है. अब जनता की बचत लक्ष्मी विलास बैंक में डूब रही है. उप्र के लाखों खाताधारकों का पैसा प्रादेशिक व अन्य राज्यों की शाखाओं में फँस गया है.

भाजपा ने सबके ख़िलाफ़ जाकर, सबका विनाश कर, सबका विश्वास खो दिया है.

#नहीं_चाहिए_भाजपा

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

To strengthen our democracy, we request every person in U.P. who is 18 & above, to register their name in the 'VOTERS LIST' before the last date 15th December 2020. The Election Commission is running a special campaign for the voters registration, please avail this opportunity.

Following

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने पर हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत!

#बाइस_में_बाइसिकल

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

ये है ठाठा बाबा के राज में पुलिस का हाल
है धक्कम धक्का डबल इंजन की सरकार

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

प्रदेश की भाजपा सरकार न तो कोविड से लड़ पा रही है, न ही बदहाल अर्थव्यवस्था सुधारने के लिए निवेश ला पा रही है. प्रदेश के काम-कारोबार पर बिजली के बिल की मार पड़ रही है. हमारे समय में बुनकरों को फ़्लैट रेट पर बिजली देने की जो व्यवस्था थी, उसे फिर लागू करना चाहिए.

#नहीं_चाहिए_भाजपा

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

जब 'नौजवानों की आवाज़' पर भी मुक़दमा चलाया जाएगा,
समझो आ गया है वक़्त वो जब हुक्मरानों को बदला जाएगा।

पंजीकृत डाक पंजीकरण संख्या LW/NP-300/2018-2020

समाजवादी पार्टी

www.samajwadiparty.in

एक पहचान
समाजवादी निशान